आधार पर Population को लिया गया है दोनों चित्रों से स्पष्ट है कि -

प्रथम अवस्था

इस अवस्था में देश पिछड़ा हुआ होता है और अभी विशिष्टता जन्म तथा मृत्यु की ऊँची दर होती है। अधिकतर लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और उनका प्रमुख व्यवसाय कृषि होता है जो कि पिछड़ेपन की निशानी में होती है। छोटे मोटे उपभोक्ता वस्तु उद्योग होते हैं। तृतीयक क्षेत्र जिसके अन्तर्गत परिवहन, वाणिज्य, बैंकिंग तथा बीमा है, अल्पविकसित होते हैं। ये सभी लोगों के कम आय के लिए उत्तरदायी होते हैं। परिवार के नीची आय को बढ़ाने के लिए बड़ा परिवार आवश्यक समझा जाता है। ये सभी आर्थिक एवं सामाजिक कारण देश में ऊँची जन्म-दर के जिम्मेवार होते हैं। ऊँची जन्म दर के साथ मृत्यु दर भी ऊँची होती है, क्योंकि लोगों को पौष्टिक आहार नहीं मिलता है और स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं तथा स्वच्छता की समझ का भी अभाव रहता है। परिणामतः वे रोग ग्रस्त होते हैं और उचित चिकित्सा एवं देखरेख के अभाव में अधिक मौत के शिकार हो जाते हैं। इसे चित्र A में समय अवधि HS अवस्था द्वारा तथा चित्र B में P वक्र के समानान्तर भाग द्वारा दर्शाया गया है।

द्वितीय अवस्था

दूसरी अवस्था में अर्थव्यवस्था आर्थिक वृद्धि की अवस्था में प्रवेश करती है। कृषि तथा औद्योगिक उत्पादकता बढ़ती है। परिवहन के साधनों, श्रम की गतिशीलता तथा शिक्षा में वृद्धि होती है जिससे लोगों की

आय बढ़ती है। चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी
सुविधाओं का विस्तार होने से मृत्यु दर घट जाती
परन्तु जन्म दर लगातार स्थिर रहता है क्योंकि लोग
परिवार के आकार पर नियन्त्रण करने में असमर्थ
होते हैं जिसका मूल कारण अन्धविश्वास, रीति रिवाज
सामाजिक निषेध आदि होते हैं जिनसे आत्म संयम
में लोगों बहुत कठिन होता है। परिणामस्वरूप जन्म दर
स्थिर उच्च स्तर पर ही रहती है। मृत्यु दर की
कमी होने तथा जन्म दर में परिवर्तन न होने से
जनसंख्या तेज रफ्तार से बढ़ती है इससे जनसंख्या
विस्फोट होता है। चित्र के A भाग में इसे
EE Stage द्वारा दर्शाया गया है जब जन्म दर
में कोई परिवर्तन नहीं होता और मृत्यु दर कम होती
है। चित्र के B भाग में इसे PP वक्र द्वारा दिखाया
गया है जो जनसंख्या की तेजी से बढ़ती दर को
दर्शा रहा है।

तीसरी अवस्था

यह जनसंख्या विकास की विलम्बित विस्तारशील
अवस्था होती है। इस अवस्था में कम हो रही
मृत्यु दर, गिर रही जन्म दर के साथ तेजी
से घटती जाती है। परिणामस्वरूप जनसंख्या घटती
दर से बढ़ती है जैसा कि चित्र A में LE द्वारा
द्वारा और चित्र B में PP वक्र द्वारा दर्शाया गया
इस अवस्था में शिक्षा का प्रसार अधिक रहता है
औद्योगिक एवं नगरों का विकास हो गया रहता है
परिवार नियोजन के महत्व को जनता समझने

लगती है। रूढ़िवादिता खत्म हो जाती है।

चौथी अवस्था

इस अवस्था में जन्म दर घट जाती है और मृत्यु दर के बराबर होने लगती है जिससे जनसंख्या में वृद्धि दर स्थिर हो जाती है। जब आर्थिक वृद्धि में तेजी आती है और लोगों का जीवन स्तर ऊंचा होता है तो लोग पुरानी रीति रिवाजों, सिद्धान्तों, अन्धविश्वासों को छोड़ देते हैं, और परिवार नियोजन को अपनाने लगते हैं जिससे जन्म दर घटने लगती है, जो पहले से मौजूद नीची मृत्यु दर के साथ मिलकर जनसंख्या की वृद्धि को घटा देती है। संसार के उन्नत देश इस अवस्था से गुजर रहे हैं और उनमें जनसंख्या धीमी गति से बढ़ रही है। चित्र A में LS Shape जन्म दर के नीची स्थिर अवस्था को दर्शाता है और B में PP Curve समानान्तर रहकर जनसंख्या की शून्य वृद्धि को दर्शाता है।

पांचवी अवस्था

विकसित देशों में घटती जनसंख्या की अवस्था तब आती है जब जन्म दरें निरन्तर घटती जाती हैं परन्तु मृत्यु दरों को और कम करना संभव नहीं होता है। किसी भी देश में इस अवस्था का होना अभी तक अनुमान ही है। इसे चित्र A में अन्तिम भाग D द्वारा दर्शाया गया है। और चित्र B में PP Curve के समानान्तर होना को दर्शाया गया है। जनांकीय संक्रमण सिद्धान्त यूरोप के विकसित देशों की जनसंख्या वृद्धि की वास्तविक प्रवृत्तियों पर आधारित है। यूरोप के लगभग सभी देश इसकी

पहली तीन अवस्थाओं में से गुजर चुके है और अब चौथी अवस्था में है। यह सिद्धान्त विकासशील राष्ट्रों के लिए विशेष महत्व रखता है। क्योंकि वे इसकी विभिन्न अवस्थाओं के अनुसार योजनाएँ बनाकर अपनी अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तन कर सकते है। इसी सिद्धान्त के आधार पर ~~अर्थशास्त्रियों~~ अर्थशास्त्रियों ने अनेक सैद्धान्तिक मॉडलों का निर्माण किया है ताकि अल्पविकसित देश चौथी अवस्था में प्रवेश कर सके। इसप्रकार का एक मॉडल भारत के लिए कोल तथा हूवर ने बताया है जो अन्य विकासशील देशों पर भी लागू किया जा रहा है। अतः यह सिद्धान्त विकासशील देशों का पथ-प्रदर्शन करने में सहायक होता है।

——×——

Dr. Sandhya Rani
Dept of Economics
Maharaja College